रामसिंह । कविता देवी

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-बास (अलवर)

हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज

23 पत्रावली प्रशासन गांवों/शहरों के संग अभियान ग्रा०पं०......डी.डी.डी....में पेश हुई। निर्णय नहीं हो सका, आयन्दा दि०..18/7/23..को पेश हों।

पीठासीन अधिकारी
प्रशासन गांवों/शहरों के संग अभियान

/23 वकील मुस्तगासान उप०। जवाब एवं बहस द०र० (10) आ.दी. को पूर्व मे कई मौके दिये जा चुके है, न्यायहित मे एक अंतिम अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक 16/8/23 को पेश हो।

16/8/23 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब स्थानान्तरण
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक...20-9-23
को पेश हो।

रीडर

20-9-23 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/~~बाहर पधारे हैं~~।
उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक...23-10-23
को पेश हो।

रीडर

23/10/23 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब चुनाव कार्य मे व्यस्त
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/~~बाहर पधारे हैं~~।
उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक...08/01/24
को पेश हो।

रीडर

08/01/24 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब [illegible]
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक...04/03/24
को पेश हो।

रीडर

3-24 वकील ~~[illegible]~~ वादी उप० नही प्रतिवादीगण वकील उप०। वकील प्रतिवादी प्रार्थी ने अप्रार्थी। वादी का जवाब द०र० बन्द करने का निवेदन किया। वादी। अप्रार्थी को पूर्व में जवाब द०र० पेश करने बाबत कई मौके दिये जा चुके है। न्यायहित मे एक मौका और दिया जाकर दिनांक 11-3-24 को पेश हो।

11-3-24 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब स्था०
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक...22-5-24
को पेश हो।

रीडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-बास (अलवर)

दिनांक	हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज
22/04/24	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उप० नही। वादी वकील को जवाब दा० हेतु पूर्व मे कई मौके दिये जा चुके है। न्यायहित मे एक अंतिम अवसर दिया जाकर, वास्ते पेश करने जवाब दा० दिनांक 6/5/24 को पेश हों। [initials]
6/5/24	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उप० नही। बार-बार आवाज लगवाई गई। अदालत का समय समाप्ति की ओर है। वादी। वकील वादी उप० नही। अतः दावा वादी अदम हाजरी। पैरवी मे खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर, दाखिल दफ्तर हो। [initials]